प्रसार भारती

भारतीय प्रसारण निगम

आकाशवाणी केन्द्र शिमला

02.09.2025 / प्रादेशिक समाचार / 11.00 बजे

प्रधानमंत्री

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आज नई दिल्ली के यशोभूमि में सेमीकॉन इंडिया – 2025 का उद्घाटन करेंगे। तीन दिवसीय यह सम्मेलन देश में एक मज़बूत, लचीले और टिकाऊ सेमीकंडक्टर पारिस्थितिकी तंत्र को आगे बढ़ाने पर केंद्रित होगा।

विधानसभा

प्रदेश विधानसभा के शिमला में चल रहे मॉनसून सत्र की आज आखिरी बैठक है। सदन की कार्यवाही के दौरान प्रश्नकाल व शून्यकाल के अलावा अन्य विधायी कार्य निपटाए जाएंगे। कार्यसूची के मुताबिक सदन में आज चार विधेयक पारित किए जाएंगे। नियम–130 के तहत विधायक केवल सिंह पठानिया, बिक्रम सिंह और सतपाल सिह सत्ती अपने–अपने प्रस्ताव प्रस्तुत करेंगे। इसके अलावा नियम–324 के तहत विधायक दीप राज, इंद्र दत लखनपाल, अजय सोलंकी और बिक्रम सिंह प्रस्ताव सदन में उठाएंगे। प्रश्नकाल के दौरान सरकारी विभागों में रिक्त पदों, नौकरियों, आयुष्मान व हिमकेयर योजनाओं और प्राकृतिक आपदा से जुड़े सवाल गूंजेंगे।

मौसम

प्रदेश में मॉनसून की वर्षा का क्रम लगातार जारी है। पिछले तीन दिनों से हो रही भारी वर्षा से जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ है। मौसम विज्ञान केंद्र शिमला ने राज्य के तीन जिलों कांगड़ा, मंडी और सिरमौर में आज बहुत भारी बारिश का रेड अलर्ट जबकि अन्य 9 जिलों में आरेंज अलर्ट जारी किया है। मौसम की ताजा जानकारी के साथ हमारी सहयोगी.....

प्रदेश में अगस्त माह में सामान्य से 69 फीसदी अधिक बारिश दर्ज की गई है और इस बारिश ने पिछले 76 साल का रिकार्ड तोड़ा है। लगातार हो रही बारिश से जान–माल का भारी नुकसान हुआ है। राज्य के कई हिस्सों में भूस्खलन के चलते छह राष्ट्रीय उच्च मार्ग व 1 हजार 3 सौ 5 सड़कें यातायात के लिए अवरूद्व हैं। इसके अलावा 3 हजार 2 सौ 63 बिजली ट्रांसफार्मर व 858 पेयजल योजनाएं भी ठप पड़ी हैं। राज्य में अब तक वर्षा जनित हादसों में 327 लोगों की मृत्यु हो चुकी है। लगातार बारिश के कारण कालका–शिमला नैरोगेज रेल लाइन पर कई स्थानों पर भूस्खलन हो रहा है, जिसके चलते रेलवे प्रशासन ने यात्रियों की सुरक्षा को देखते हुए आगामी 5 सितंबर तक चलने वाली सभी ट्रेनों को रद्द कर दिया है। मौसम के पूर्वानुमान को देखते हुए आज किन्नौर जिला के निचार उपमंडल सहित प्रदेश के अन्य 11 जिलों में शिक्षण संस्थानों को बंद रखने के आदेश जारी किए गए हैं। हालांकि शिक्षकों को आनलाइन कक्षाएं लगाने के निर्देश दिए गए हैं। प्रादेशिक समाचार के लिए समाचार कक्ष से मैं प्रियंका ठाकुर।

मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कहा है कि मॉनसून की भारी वर्षा, बादल फटने और भूस्खलन से प्रदेश को अब तक 3 हजार 56 करोड़ रूपये का नुकसान हो चुका है। कल विधानसभा में मॉनसून सत्र के दौरान उन्होंने एक विशेष वक्तव्य में हिमाचल को आपदाग्रस्त राज्य घोषित करने के बाद कहा कि प्रदेश में प्राकृतिक आपदा से व्यापक नुकसान हुआ है। मुख्यमंत्री ने कहा कि चंबा में सड़कों को खोलने का कार्य युद्वस्तर पर जारी है, लेकिन लगातार बारिश के कारण राहत व बचाव कार्य में बाधा आ रही है।

पूरे प्रदेश में आपदा से भारी नुकसान हुआ चाहे वह सड़कों की बात है चाहे वो पीने की पानी की योजना की बात है चाहे सिंचाई की योजनाओं की बात है बिजली की बात है स्कूल और सरकारी संस्थाओं की बात है सब जगह बहुत नुकसान है और जिस प्रकार के चंबा में नुकसान हुआ है तो अभी भरमौर चंबा रोड है उसमें बीच–बीच में कहीं एक किलोमीटर सड़क फस गई है कहीं 500 मीटर सड़क धंस गई है और हमने युद्ध स्तर पर वह कार्य शुरू किया और जैसे ही बारिश से हमें निजात मिलती है वैसे ही हम आगे बढ़ेंगे

इस बीच नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने कहा है कि भरमौर में 500 से ज्यादा लोग अभी भी फंसे हुए हैं, क्योंकि वे चलने की स्थिति में नहीं हैं। उन्होंने कहा कि भरमौर में सड़क, पानी व बिजली की व्यवस्था को युद्वस्तर पर बहाल किया जाए, ताकि वहां फंसे लोगों को निकाला जा सके। डैस्क